न्यू बस स्टैंड-इंदिरा चौक मार्ग पर नपा प्रशासन का रौद्र रूप

लहूलुहान हुआ व्यापारी तो जान बचाकर भागे नपा अधिकारी बुलडोजर कार्रवाई में बहा व्यापारी का खून भड़के लोगों ने नपा की जेसीबी पर किया पथराव

शहडोल।

शहर की जाम से कराहती सडक़ों को स्मार्ट बनाने के नाम पर रविवार को प्रशासन का जो खौफनाक चेहरा सामने आया, उसने पूरे शहडोल को हिलाकर रख दिया है। दशकों से सियासी दांव-पेंच और अदालती फाइलों में दफ्न न्यू बस स्टैंड बलपुरवा से इंदिरा चौक मार्ग के चौड़ीकरण का जिन्न रविवार को बोतल से बाहर आ गया। सुबह-सुबह 5 गरजती जेसीबी मशीनों के साथ उतरे प्रशासनिक अमले ने ऐसा तांडव मचाया कि देखते ही देखते दशकों पुरानी दुकानें मलबे के ढेर में तब्दील हो गईं। विकास की इस अंधी दौड़ में न केवल गरीबों की रोजी-रोटी जमींदोज हुई, बल्कि एक व्यापारी का खून भी सडक़ पर बह निकला। अब शहर सुलग रहा है, व्यापारियों के सब्र का बांध टूट चुका है और सियासतदान इस मलबे पर अपनी रोटियां सेंकने में जुट गए हैं।

6 करोड़ के चमचमाते ख्वाब और सिसकते व्यापारी

नगर पालिका इस मार्ग को 6 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से संवारने का दावा कर रही है। फोरलेन जैसी सडक़, ड्रेनेज सिस्टम और आकर्षक डिवाइडर का सपना दिखाया जा रहा है। मध्य प्रदेश राजपत्र (31 मई 2023) का हवाला देते हुए हुक्मरानों ने 18 मीटर की जद में आने वाले हर निर्माण को बेरहमी से रौंद दिया। प्रशासन का तर्क है कि यह सरकारी जमीन थी, इसलिए मुआवजे का सवाल ही नहीं उठता। हालांकि, न्यायालय की शरण में गए 2-3 रसूखदारों/पट्टेदारों के ठिकानों पर बुलडोजर का पहिया ठिठक गया। दूसरी ओर, अपनी आंखों के सामने पुश्तैनी दुकानों को खाक होता देख व्यापारियों में मातम और हाहाकार मचा हुआ है। महंगाई के इस दौर में अचानक बेरोजगार हुए इन परिवारों की चीखें प्रशासन के कानों तक नहीं पहुंच रहीं।

जब सिस्टम की लापरवाही ने ली व्यापारी की बलि

प्रशासनिक अमला बुलडोजर की धमक के नशे में इस कदर चूर था कि सुरक्षा के तमाम नियम ताक पर रख दिए गए। इसी अंधी कार्रवाई के बीच एक खौफनाक हादसा हुआ। सडक़ चौड़ीकरण के दौरान गिरी एक इमारत का भारी भरकम मलबा 45 वर्षीय व्यापारी सीताराम गुप्ता के ऊपर आ गिरा। लहूलुहान और गंभीर रूप से घायल सीताराम को आनन-फानन में जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। इस घटना ने जनता के दबे हुए आक्रोश में घी का काम किया। खून बहते ही परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उग्र भीड़ ने नगर पालिका की जेसीबी पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। हालात बेकाबू होते देख कार्रवाई में सीना तानकर खड़े कर्मचारी और अधिकारी अपनी जान बचाकर मौके से रफूचक्कर हो गए। इलाके में भारी तनाव का माहौल है।

7 नोटिस का सच और दमनकारी सीएमओ

प्रशासनिक दावों की मानें तो अतिक्रमणकारियों को 7 बार नोटिस थमाए गए थे, लेकिन उन्होंने इसे रद्दी का टुकड़ा समझकर अनदेखा कर दिया। वहीं, व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता ने तीखा पलटवार करते हुए प्रशासन की नीयत पर गंभीर सवाल दागे हैं। उनका आरोप है कि महज 4 दिन पहले मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) ने खुद आश्वासन दिया था कि अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। व्यापारियों ने 3 दिन का अतिरिक्त समय मांगा था, लेकिन सीएमओ ने पीठ में छुरा घोंपते हुए सीधे बुलडोजर उतार दिए। व्यापारी संघ ने साफ ऐलान कर दिया है कि यह लड़ाई अब सडक़ पर लड़ी जाएगी और निरंकुश सीएमओ के खिलाफ एफआईआर और तत्काल निलंबन की मांग को लेकर वे पीछे नहीं हटेंगे।

छावनी में तब्दील रहा शहर

कार्रवाई के दौरान किसी भी विरोध को बूटों तले कुचलने के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर ने पूरी खौफनाक व्यूह रचना तैयार की थी। 28 और 29 जून के इस महाअभियान में सोहागपुर एसडीएम और विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मौके पर डटे रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा भेजे गए 40 से अधिक महिला व पुरुष पुलिस जवानों ने पूरे इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया था। नपा की विशेष टास्क फोर्स के नोडल उपयंत्री सुखेंद्र सिंह तोमर, पुनीत त्रिपाठी, मयंक मिश्रा और अनिल महोबिया दल-बल के साथ किसी भी विरोध को कुचलने के लिए पूरी तरह मुस्तैद दिखे।

सियासी नूराकुश्ती:आंसू बहा रहे नेता

इस पूरी त्रासदी का सबसे घिनौना पहलू शहर के नेताओं की दोहरी राजनीति है। नगर पालिका परिषद में कांग्रेस का कब्जा है, अध्यक्ष कांग्रेस का है, लेकिन कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी अपनी ही परिषद की कार्रवाई को कोसते हुए व्यापारियों से हमदर्दी जता रहे हैं। वे कह रहे हैं कि छोटे व्यापारी की छाती पर बुलडोजर चलाकर विकास नहीं चाहिए। विपक्ष में बैठी भाजपा की जिलाध्यक्ष अमिता चपरा भी सुरक्षित खेल रही हैं। उनका कहना है कि अतिक्रमण हटना चाहिए, प्रशासन ने नोटिस भी दिए थे, लेकिन थोड़ा और समय दिया जाना चाहिए था। कुल मिलाकर, विकास के नाम पर शहडोल की सडक़ों पर जो खूनी खेल और तबाही का मंजर रविवार को दिखा है, उसने साबित कर दिया है कि आम आदमी की हैसियत इस सिस्टम में सिर्फ एक कीड़े-मकोड़े से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसे जब चाहे सत्ता के बुलडोजर से कुचला जा सकता है।

व्यापारी हुआ घायल

शहडोल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सडक़ चौड़ीकरण के लिए चल रही बुलडोजर कार्रवाई के बीच एक मकान का मलबा 45 वर्षीय सीताराम गुप्ता के ऊपर गिर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए, घायल को जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। घटना से गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई में लगी नगर पालिका की जेसीबी पर पथराव कर दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ देर के लिए पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई, फिलहाल पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटा है। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कार्रवाई में लगे कर्मचारी व अन्य लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे, कुछ समय के लिए पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा।

इनका कहना है...

कल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही संभवतः नहीं होगी, हालाकि सीएमओ साहब से बात होने के बाद ही कुछ कह पाऊंगा।
सुखेन्द्र सिंह तोमर
अतिक्रमण प्रभारी
नगर पालिका शहडोल

कल की जानकारी हमें अभी नहीं मिली है, नगर पालिका ही शायद जानकारी दे पायेगी। अगर उनके तरफ से कोई जानकारी आती है तो, देखते हैं क्या स्थिति बनती है।
राघवेन्द्र तिवारी
कोतवाली प्रभारी
शहडोल

पैगंबर साहब पर अपमानजनक टिप्पणी से आक्रोश

एआईएमआईएम नेता ने दर्ज कराई शिकायत, तत्काल गिरफ्तारी की मांग

शहडोल। सोशल मीडिया पर धार्मिक सौहार्द बिगाडऩे और सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ अब आक्रोश भडक़ उठा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के शहडोल सदस्यता प्रभारी मोहम्मद यासीन खान ने सोहागपुर थाना प्रभारी को एक लिखित शिकायती पत्र सौंपकर दोषियों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उनकी अविलंब गिरफ्तारी की पुरजोर मांग की है।

धार्मिक भावनाओं पर गहरा आघात

शिकायतकर्ता मोहम्मद यासीन खान ने बताया कि सोशल मीडिया मंच (इंस्टाग्राम) पर एक बेहद आपत्तिजनक और विवादित पॉडकास्ट/रील तेजी से प्रसारित हो रही है। इस वीडियो में नाजय़ा इलाही खान नामक महिला द्वारा पैगंबर हजऱत मोहम्मद साहब एवं उम्मुल मोमिनीन हजऱत आयशा सिद्दीका के संबंध में अत्यंत घोर अपमानजनक, अमर्यादित और विषैले वक्तव्य दिए गए हैं। इस घृणास्पद टिप्पणी से न केवल मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र के शांतिप्रिय नागरिकों में भारी गुस्सा है।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाडऩे की गहरी साजिश

शिकायत पत्र के अनुसार, यह विवादित वीडियो आगामी सोची-समझी साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। यह वीडियो 11 जून 2026 को दिव्या सिंह नामक एक एंकर/रील निर्माता के सोशल मीडिया खाते पर अपलोड किया गया था। स्थानीय नेताओं का कहना है कि इस तरह की अपमानजनक सामग्री का डिजिटल माध्यमों पर व्यापक प्रसार केवल एक व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक शांति, कानून-व्यवस्था और सदियों पुराने सांप्रदायिक सौहार्द को छिन्न-भिन्न करने का एक गंभीर और खतरनाक प्रयास है।

तत्काल कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने पुलिस प्रशासन को सौंपे पत्र में साफ लहजे में चेतावनी दी है कि इस संवेदनशील मामले को ठंडे बस्ते में न डाला जाए। उन्होंने मांग की है कि आपत्तिजनक रील बनाने वाली नाजिया इलाही खान, उसे प्रसारित करने वाली दिव्या सिंह तथा इस पूरे विवादित वीडियो के निर्माण, रिकॉर्डिंग, संपादन, प्रकाशन और प्रचार-प्रसार में शामिल पर्दे के पीछे के सभी जिम्मेदार चेहरों को बेनकाब कर उनके खिलाफ तत्काल कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायती पत्र को संज्ञान में ले लिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन सामाजिक समरसता को चोट पहुंचाने वाले इन अराजक तत्वों को कब तक सलाखों के पीछे भेजता है।

पांच महीने में दूसरी बार खाक हुईं दो दुकानें

शहडोल। शहर के भूसा तिराहे के पास बीती रात हुई एक सनसनीखेज आगजनी ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। यह कोई आम हादसा नहीं, बल्कि एक बेहद गहरी और खौफनाक साजिश की बू दे रहा है। ठीक पांच महीने पहले जिन दो दुकानों को आग के हवाले किया गया था, बीती रात हूबहू उन्हीं दुकानों में दोबारा लगी भीषण आग ने लाखों रुपये का सामान जलाकर राख कर दिया। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पीड़ित दुकानदार दहशत में हैं और स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्राहकों के कपड़े और सब्जी जलकर खाक

मिली जानकारी के अनुसार, भूसा तिराहे पर संचालित प्रेस (इस्तरी) की दुकान और उससे सटी सब्जी की दुकान में देर रात अज्ञात कारणों से अचानक आग भडक़ उठी। देखते ही देखते आग की लपटों ने दोनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रेस संचालक बेचू रजक ने रोते हुए बताया कि पांच महीने पहले लगी आग में ग्राहकों के 70 जोड़ी कपड़े जले थे, और इस बार फिर लगभग 40 जोड़ी कपड़े और दुकान का ढांचा जलकर खाक हो गया। वहीं, बगल में सब्जी का ठेला लगाने वाले कमलेश यादव की पूरी पूंजी और सब्जियां इस आगजनी की भेंट चढ़ गईं। दोनों परिवारों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

पुलिस की सुस्ती पर उठे सवाल

सबसे बड़ा सवाल सोहागपुर पुलिस की लचर तफ्तीश पर उठ रहा है। पीड़ितों का कहना है कि जब पांच महीने पहले पहली बार आगजनी हुई थी, तब थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। अगर पुलिस ने उस वक्त मुस्तैदी दिखाते हुए मामले की तहकीकात की होती और असली कारणों का खुलासा किया होता, तो शायद आज यह दोबारा न दोहराया जाता। एक ही जगह पर, उन्हीं दुकानों को निशाना बनाया जाना साफ इशारा करता है कि इसके पीछे किसी शरारती तत्व या रंजिश का हाथ है। फिलहाल पुलिस ने मामले को जांच में लिया है, लेकिन स्थानीय जनता अब खोखले आश्वासनों के बजाय दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है।

मानवता की मिसाल बनी सांझी रसोई

वरिष्ठ अधिकारी डॉ. परिहार ने सेवादारों के जज्बे को सराहा

शहडोल। नर सेवा को ही नारायण सेवा मानकर समाज के वंचित वर्ग की जठराग्नि शांत करने वाली संस्था सांझी रसोई (मीत एक साथी सोशल सर्विसेज समिति) के सेवा प्रकल्पों की चौतरफा प्रशंसा हो रही है। इसी कड़ी में रीवा एवं शहडोल संभाग के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्रीय संचालक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह परिहार ने सांझी रसोई पहुंचकर संस्था के कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। दोपहर को सेवा केंद्र पहुंचे डॉ. परिहार ने जब यह सुना कि संस्था अब तक 15.5 लाख से अधिक जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन करा चुकी है, तो उन्होंने इस ऐतिहासिक सेवा कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरी तन्मयता, समर्पण और कड़े अनुशासन के साथ इतनी बड़ी संख्या में लोगों की सेवा करना वास्तव में समाज के लिए एक महान प्रेरणा है।डॉ. परिहार के इस आत्मीय प्रोत्साहन पर आभार जताते हुए सांझी रसोई परिवार ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर मिलने वाला यह स्नेह और मार्गदर्शन सेवादारों के भीतर जनसेवा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करता है। आज यह संस्था न केवल भूखों का पेट भर रही है, बल्कि समाज में आत्मीयता और समरसता का एक अनूठा संदेश भी प्रसारित कर रही है।

दो बूंद जिंदगी की, पोलियो पर जीत पक्की- राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ

शहडोल। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ जिला चिकित्सालय में विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चों को अपने नजदीकी बूथ में ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाए, खुराक सुरक्षित एवं निःशुल्क है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत कुल 1090 बूथों में प्रत्येक 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी एवं 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा घर-घर जाकर पोलियो की खुराक दी जाएगी। जिले में 139742 बच्चों को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस. परिहार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ.शिल्पी सराफ ने भी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। राष्ट्रीय पल्स पोलिया अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला चिकित्सालय में 18 नवजात बच्चे एवं एन आर सी केंद्र में 19 बच्चों को पोलियो की दवा का सेवन कराया गया। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अंशुमन सोनारे, डी. पी.एम. मनोज द्विवेदी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

सेफ क्लिक 2.0 के तहत खिचकीड़ी पहुंची मानपुर पुलिस

ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचाव के बताए प्रभावी उपाय

मानपुर। बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान - सेफ क्लिक 2.0 के तहत थाना मानपुर पुलिस ने नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित ग्राम खिचकीड़ी में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी बैंक कॉल, ओटीपी एवं यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों के तरीकों की जानकारी देते हुए सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि थोड़ी-सी सावधानी बड़ी आर्थिक हानि से बचा सकती है। लोगों को समझाया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, सीवीवी या पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

पुलिस टीम ने साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने अथवा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी। अधिकारियों ने बताया कि समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को सुरक्षित कराने की संभावना बढ़ जाती है। जनजागरूकता कार्यक्रम में थाना प्रभारी मानपुर उपनिरीक्षक मुकेश मर्सकोले, आरक्षक सचिन पाटीदार, महेंद्र पटेल, प्रदीप सिंह, राजेंद्र साहू तथा महिला आरक्षक रागिनी उपस्थित रहीं। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। ग्रामीण क्षेत्रों तक डिजिटल सुरक्षा का संदेश पहुंचाने की दिशा में थाना मानपुर पुलिस का यह अभियान एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल माना जा रहा है।

सोन टोला वाटर प्लांट में फिर डूबा 21 वर्षीय युवक, एक महीने में दूसरी बलि

शहडोल। जिले के प्रतिबंधित और खतरनाक जलाशयों में प्रशासन की अनदेखी और युवाओं की लापरवाही के चलते असमय मौतों का खूनी सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गोहपारू थाना क्षेत्र के सोन टोला स्थित जल संसाधन विभाग के वाटर प्लांट में नहाने गया 21 साल का मासूम युवक आयुष प्रजापति गहरे पानी के काल में समा गया। घटना की सूचना मिलते ही रविवार सुबह राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) की टीम ने कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवक का शव पानी से बाहर निकाला। सबसे हैरान और आक्रोशित करने वाली बात यह है कि इसी तथाकथित सुरक्षित वाटर प्लांट में एक महीने के भीतर डूबने से मौत की यह दूसरी दिल दहला देने वाली घटना है।

सोन नदी पर बना जल संसाधन विभाग का यह वाटर प्लांट अब स्थानीय लोगों के लिए डेथ ट्रैप यानी मौत का जाल बन चुका है। कहने को तो विभाग दावा करता है कि यहां आम जनता का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है, बाहर चेतावनी के बड़े-बड़े बोर्ड टंगे हैं और सुरक्षा के लिए चौकीदार भी तैनात है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन दावों की धज्जियां उड़ाते हुए रोज दर्जनों युवा बेखौफ अंदर घुस रहे हैं। धनपुरी के बम्होरी निवासी आयुष शनिवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ बेधडक़ अंदर दाखिल हुआ और नहाते समय गहरे कुएं नुमा पानी में लापता हो गया। सवाल यह उठता है कि जब चौकीदार तैनात था, तो उसने इन युवकों को अंदर जाने से सख्ती से क्यों नहीं रोका? क्या विभाग सिर्फ हादसे के बाद लाशें गिनने के लिए बैठा है?

शनिवार दोपहर जैसे ही हादसे की खबर गोहपारू पुलिस को मिली, हडक़ंप मच गया। मौके पर तुरंत एसडीईआरएफ की टीम बुलाई गई, लेकिन शनिवार देर शाम तक पानी मथने के बाद भी अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को मजबूरी में रोकना पड़ा। रविवार सुबह टीम प्रभारी अजेश मिश्रा, नरेंद्र सिंह, मोहन सिंह, महेंद्र यादव और अन्य जांबाजों ने दोबारा पानी में उतरकर शव को ढूंढ निकाला। पुलिस ने पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस भले ही इसे आम जन की लापरवाही बताकर पल्ला झाड़ रही हो, लेकिन जल संसाधन विभाग की इस घोर लापरवाही और मौन सहमति पर जब तक हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं होता, तब तक ऐसे हादसों पर लगाम लगाना नामुमकिन है।

खबर संक्षेप

आयोग की अध्यक्षता में सुनवाई आज आयोजित होगी

उमरिया। माननीय आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिले के लंबित प्रकरणों एवं नए प्राप्त आवेदन पत्रों की सुनवाई 29 जून को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर सभागार, उमरिया में आयोजित की जाएगी। सुनवाई के दौरान संबंधित मामलों पर पक्षकारों की उपस्थिति में विचार-विमर्श कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों, आवेदकों एवं पक्षकारों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होकर सुनवाई में सहयोग करें, ताकि प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

केवई नदी में दिनदहाड़े रेत चोरी, प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

भालूमाड़ा। जिले में अवैध रेत खनन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। केवई नदी के भालूमाड़ा/पसान घाट और भेड़वा नाला से दिनदहाड़े लगातार रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खुलेआम रेत चोरी होने के बावजूद जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, नियमित निगरानी बढ़ाई जाए और रेत के अवैध परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर केवई नदी में चल रही रेत चोरी कब रुकेगी? क्या प्रशासन अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगा पाएगा, या फिर यह खेल इसी तरह जारी रहेगा?

तपती धूप और बारिश के बीच खुले में बैठने को मजबूर मुंशी-लेखक

गोटेगांव। नगर में नए तहसील भवन के निर्माण के चलते पुराने भवन को तोड़ा जा रहा है। इस दौरान तहसील कार्यालय को अस्थायी रूप से पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह परिसर में स्थानांतरित किया गया है, लेकिन दस्तावेज लेखक एवं मुंशियों के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। वर्तमान में मुंशी और दस्तावेज लेखक टीन और तिरपाल के नीचे खुले में बैठकर काम करने को मजबूर हैं। मानसून शुरू होने के साथ ही दस्तावेजों के भीगने और कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। वहीं नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य राजस्व कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को भी धूप और बारिश में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नए भवन का निर्माण पूरा होने तक प्रशासन अस्थायी शेड या कक्ष की व्यवस्था करे, ताकि मुंशियों और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 3 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी 3 जुलाई को प्रातः 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि उक्त बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन, जिले में संचालित केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, शिक्षा एवं मानव विकास, कृषि, ग्रामीण एवं सहकारिता विकास, जल, सिंचाई एवं संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा, उद्योग, कौशल एवं रोजगार, खनिज, पर्यावरण एवं भूमि प्रबंधन और डिजिटल, प्रशासनिक एवं आपूर्ति तंत्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की जाएगी।

अधिवक्ता संघ चुनाव का हुआ शंखनाद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला अधिवक्ता संघ ने नवीन चुनाव सत्र 2026-27, 2027-28 के निर्वाचन के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी एड. चै. ओ.पी.गोयल एवं सहयोग हेतु एड.नरेन्द्र सिंह रघुवंशी एवं एड. विपिन कुमार शर्मा, दो सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किये हैं।

सीईओ ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को उत्साहपूर्वक किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

उमरिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर एवं आजीवन दिव्यांगता का कारण बनने वाली बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए नियमित टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान में सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पाँच वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि जिले का कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ष्दो बूंद जिंदगी कीष् केवल एक संदेश नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य का संकल्प है। इस अवसर पर आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जिले के पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक देकर उन्हें इस बीमारी से सुरक्षित रखना है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो की दवा अनिवार्य रूप से पिलाने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान 29 एवं 30 जून तक जारी रहेगा। इस दौरान छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि जिले में इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 135 सुपरवाइजर, 4 मोबाइल टीम तथा 24 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने अपने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास के पाँच वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं तथा पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर आरएमओ डॉ. संदीप सिंह, डॉ. मुकुल तिवारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजेंद्रग्राम बस स्टैंड को मिली बड़ी सौगात, वर्षों पुरानी सुलभ शौचालय की मांग हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम।

क्षेत्र के प्रमुख केंद्र राजेंद्रग्राम (किरगी) बस स्टैंड में वर्षों से सुलभ शौचालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। शौचालय नहीं होने से यात्रियों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब यह लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। सांसद निधि से 10 लाख रुपये खर्च कर आधुनिक सामुदायिक सुलभ शौचालय का लोकार्पण किया गया है। यह सुविधा बस स्टैंड पर आने वाले हजारों यात्रियों और क्षेत्रवासियों के लिए स्वच्छता, सुविधा और सम्मान सुनिश्चित करेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत किरगी को संभाग का पहला सोलर ऊर्जा संचालित मोबाइल प्यूरिफायर कूलिंग वाटर टैंकर भी प्रदान किया गया है। इस अत्याधुनिक टैंकर में सोलर सिस्टम, कूलिंग यूनिट और फिल्टर प्लांट की सुविधा है, जिससे लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की अध्यक्षा श्रीमती मिथिलेश सिंह मरावी, जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह, जनपद पंचायत सीईओ हरिश्चंद, जनप्रतिनिधियों, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। क्षेत्रवासियों ने इसे पुष्पराजगढ़ मुख्यालय के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

ग्राम पंचायत जरहा में पिलाई गई पोलियो की दवा

उमरिया।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत जरहा में पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान का संचालन किशोरी साथिया वंदना शकुंतला सिंह के माध्यम से किया गया। अभियान के दौरान गांव के अभिभावकों को पोलियो से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण एवं पल्स पोलियो की दो बूंद दवा के महत्व की जानकारी भी दी गई।

किशोरी साथिया वंदना शकुंतला सिंह ने घर-घर संपर्क कर अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, जिससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण और प्रत्येक पल्स पोलियो अभियान में बच्चों को दो बूंद दवा पिलाना है।

अभियान के दौरान ग्राम के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी अभियान में सहयोग करते हुए अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाई। स्वास्थ्य विभाग एवं ग्राम पंचायत ने आमजन से अपील की कि यदि कोई बच्चा किसी कारणवश दवा पीने से वंचित रह गया हो, तो उसे भी निर्धारित समय के भीतर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाई जाए, ताकि पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को सफल बनाया जा सके।

पहले नामजद शिकायत में नहीं लिखे गए थे आरोपियों के नाम

एसपी के निर्देश पर हरकत में आई पुलिस, आगजनी मामले की जांच शुरू

अब जांच अधिकारी मणिराम मोहरे कर रहे मामले की पड़ताल, पीड़ति को न्याय की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

भालूमाड़ा थाना अंतर्गत पुलिस चौकी फुनगा क्षेत्र के ग्राम पयारी नंबर-01 (मौहारटोला) में हुई कथित आगजनी के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पीड़ति ललुआ चौधरी द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को शिकायत दिए जाने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच प्रारंभ कर दी है मामले की जांच मणिराम मोहरे को सौंपी गई है। पीड़ति ललुआ चौधरी का आरोप है कि 21 जून की रात लगभग 9:45 बजे सुरेश केवट, गोविंद केवट, सारथ केवट, जगदीश केवट और गोपाल केवट ने उनके घर में आग लगा दी, जिससे घर में रखा पंखा, गद्दा, तकिया, कुर्सियां, कपड़े सहित अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया और लाखों रुपये का नुकसान हुआ। ललुआ चौधरी का कहना है कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने पुलिस चौकी फुनगा में नामजद शिकायत दी थी, लेकिन उनकी रिपोर्ट में आरोपियों के नाम दर्ज नहीं किए गए उनका आरोप है कि बिना पूरी जानकारी पढ़ाए उनसे हस्ताक्षर भी करा लिए गए इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगाई। पीड़ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद पुलिस ने उनका आवेदन विधिवत स्वीकार किया और मामले की जांच शुरू कर दी। वर्तमान में जांच अधिकारी मणिराम मोहरे पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रहे हैं। पीड़ति ने उम्मीद जताई है कि निष्पक्ष जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और उन्हें न्याय मिलेगा। पीड़ति ललुआ चौधरी ने वीडियो बयान में कहा कि उन्होंने शुरू से ही आरोपियों के नाम बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने प्रारंभिक रिपोर्ट में नाम शामिल नहीं किए। उनका कहना है कि पुलिस अधीक्षक से मिलने के बाद मामले में कार्रवाई शुरू हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कर उन्हें न्याय मिलेगा।

महिला शिक्षिकाओं से अभद्रता व आर्थिक अनियमितता के लगे आरोप

शिक्षकों ने मुख्य महाप्रबंधक से की कठोर कार्रवाई की मांग

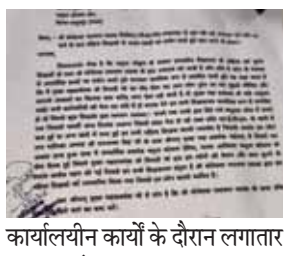

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोतमा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों के अनेक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने मुख्य महाप्रबंधक, जमुना कोतमा क्षेत्र को सामूहिक शिकायत पत्र सौंपकर जीएम कार्यालय में पदस्थ लिपिक सोमेश्वर नारायण पाठक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में महिला शिक्षिकाओं से अभद्र व्यवहार, आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग, मानसिक प्रताड़ना तथा आर्थिक अनियमितता जैसे आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार संबंधित कर्मचारी द्वारा विद्यालयों के महिला एवं पुरुष शिक्षकों से कार्यालयीन कार्यों के दौरान लगातार अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है। आरोप है कि देर रात तक फोन कर अनुचित तरीके से बातचीत की जाती है तथा शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है, जिससे विशेष रूप से महिला शिक्षिकाएं मानसिक रूप से परेशान हैं। शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभिन्न कार्यालयीन कार्यों के नाम पर शिक्षकों से राशि लेने के आरोप हैं। कुछ शिक्षकों ने दावा किया है कि लगभग 50 हजार रुपये तक की राशि संबंधित कर्मचारी को दी गई, लेकिन उसका स्पष्ट लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं कराया गया। शिकायतकर्ताओं ने आशंका व्यक्त की है कि उक्त राशि किस खाते में जमा हुई अथवा उसका उपयोग किस प्रकार किया गया, इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। शिकायत पत्र पर क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के हस्ताक्षर दर्ज हैं, जिन्होंने सामूहिक रूप से निष्पक्ष जांच और न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है।

बिजुरी पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई, लगभग 5,05,000 का मशरूका जप्त

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

बिजुरी पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए लगभग 5,05,000 मूल्य का मशरूका जप्त किया गया। 28 जून को थाना बिजुरी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र में बिना वैध अनुमति के रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा भगता कॉलेज के पास, छतई कोठी मुख्य मार्ग पर घेराबंदी की गई। कुछ समय पश्चात एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आता दिखाई दिया, जिसे रोककर चेक किया गया। जांच के दौरान ट्रॉली में रेत लोड पाई गई। वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम नोहर सिंह पिता गणेश सिंह, उम्र 19 वर्ष, निवासी मझौली बताया। रेत परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहने पर वह कोई भी वैध अनुमति अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके उपरांत अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को गवाहों के समक्ष विधिवत जप्त कर थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। आरोपी नोहर सिंह पिता गणेश सिंह, निवासी मझौली के विरुद्ध अपराध क्रमांक पंजीबद्ध कर धारा 303(2), 317(5) भारतीय न्याय संहिता (ठछै) एवं धारा 4/21 खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक गोपाल सिंह, आरक्षक रामनिवास गुर्जर, आरक्षक विश्वजीत मिश्रा एवं आरक्षक प्रभाकर त्रिपाठी की सराहनीय एवं उल्लेखनीय भूमिका रही।

जब तक 12वां वेतन समझौता लागू नहीं होता, जारी रहेगा संघर्ष-बीएमएस

आमाडांड ओसीएम में सैकड़ों श्रमिकों की गेट मीटिंग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

12 वें राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौते (जेबीसीसीआई-12) को तत्काल लागू कराने की मांग को लेकर रविवार, 28 जून को एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र स्थित आमाडांड ओसीएम में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) द्वारा विशाल गेट मीटिंग आयोजित की गई। गेट मीटिंग में सैकड़ों की संख्या में कोयला श्रमिक शामिल हुए और वेतन समझौते में हो रही देरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने एकजुट होकर स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक 12वां वेतन समझौता लागू नहीं किया जाता, तब तक चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी रहेगा। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए बीएमएस के महामंत्री रोशन उपाध्याय ने कहा कि कोयला श्रमिक लंबे समय से 12 वें वेतन समझौते का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन लगातार टालमटोल कर रहा है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए बीएमएस का संघर्ष अंतिम निर्णय तक जारी रहेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि कोल इंडिया प्रबंधन को श्रमिकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए तत्काल वेतन समझौता लागू करना चाहिए। यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा। क्षेत्रीय नेता सरजू ने कहा कि बीएमएस किसी भी दबाव में आने वाला संगठन नहीं है। श्रमिकों के हित सर्वोपरि हैं और मांग पूरी होने तक गेट मीटिंग, जनसंपर्क अभियान एवं चरणबद्ध आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। गेट मीटिंग के दौरान उपस्थित सैकड़ों श्रमिकों ने एक स्वर में 12 वां वेतन समझौता तत्काल लागू करने की मांग उठाई तथा आंदोलन को और तेज करने का संकल्प लिया। बीएमएस नेताओं ने दोहराया कि जब तक 12 वां वेतन समझौता लागू नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

बाड़ी में लगे थे गांजे के पौधे, पुलिस ने किये जब्त

कटनी। ग्राम घुघरी निवासी एक व्यक्ति के घर की बाड़ी से पुलिस ने गांजे के हरे पौध जब्त किये हैं। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन पर निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार ग्राम घुघरी में सुरेश चौधरी के घर के सामने बाड़ी में गांजा के पौधे जैसे हरे रंग के तीन नग पौधे दिखाई दिये, पौधों को उखड़वाकर चेक किया गया, मादक पदार्थ गांजा के पौधे होना पाये गये, तौल कार्यवाही के दौरान कुल बजनी 570 ग्राम मिले, आरोपी सुरेश चौधरी पिता स्व. सेमाली चौधरी 44 वर्ष निवासी ग्राम घुघरी के विरूद्ध अपराध धारा 8/20 एन.एन.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, उनि शैलेन्द्र सिंह, सउनि संतोष कुमार स्वामी, आरक्षक पप्पू प्रजापति की मुख्य भूमिका रही।

देर रात तक मुस्तैद रहा निगम का अमला

कटनी। मोहर्रम पर्व के अवसर पर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में स्वच्छता, यातायात एवं जन सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गईं। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशानुसार पर्व के दौरान निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी देर रात तक विभिन्न आयोजन स्थलों, ताजिया मार्गों तथा कर्बला परिसर में मुस्तैदी के साथ तैनात रहे और निगम की व्यवस्थाओं का सतत निरीक्षण करते रहे। निगम प्रशासन द्वारा जुलूस मार्गों एवं प्रमुख स्थलों पर आवश्यकतानुसार स्वच्छता मित्रों, हांका टीम तथा अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिससे आयोजन के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। वहीं कर्बला घाटों पर समुचित प्रकाश, जनरेटर, कृत्रिम जलकुंड, पेयजल व्यवस्था का उपयुक्त शैलेश गुप्ता एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई तथा व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। मोहर्रम पर्व के आयोजन संपन्न होने के बाद शनिवार प्रातः से ही नगर निगम की टीम ने विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया। अभियान के दौरान जुलूस मार्गों सहित आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाकर अपशिष्ट का तत्काल उठाव किया गया।

मानवाधिकारों पर लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित

कटनी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा मानवाधिकार विषय पर वार्षिक लघु फिल्म प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई हैं। प्रतिभागी 30 जून तक अपनी प्रविष्टियाँ ऑनलाइन माध्यम से भेज सकते हैं। प्रतियोगिता में चयनित फिल्मों को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार 2 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1.5 लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 4 चयनित फिल्मों को विशेष पुरस्कार के रूप में 50-50 हजार रुपये, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु लघु फिल्में अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में बनाई जा सकती हैं, बशर्ते उनमें अंग्रेजी उपशीर्षक अनिवार्य हों। फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट तथा अधिकतम 10 मिनट निर्धारित की गई है। प्रतिभागी वृत्तचित्र, वास्तविक घटनाओं पर आधारित नाट्य रूपांतरण या काल्पनिक कथानक सहित किसी भी तकनीकी प्रारूप (एनीमेशन सहित) में फिल्म प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रतियोगिता के लिए जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं गरिमा का अधिकार, बंधुआ एवं बाल श्रम, महिला एवं बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं, दिव्यांगजनों के अधिकार, स्वच्छता से जुड़े मुद्दे, स्वास्थ्य सेवाएं, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, पुलिस अत्याचार, हिरासत में हिंसा, सामाजिक-आर्थिक असमानताएं, शिक्षा का अधिकार, पर्यावरण संरक्षण मानवाधिकारों से जुड़े विविध विषय निर्धारित किए गए हैं।

धनपुरी बनी 'स्पीड ब्रेकर नगरी'! , मनमाने निर्माण से जनता परेशान

3 किलोमीटर में दर्जनभर अवरोध

जिले की दूसरी सबसे बड़ी नगर पालिका मानी जाने वाली धनपुरी इन दिनों अपनी विकास योजनाओं से अधिक सड़कों पर बने अनियोजित और मनमाने स्पीड ब्रेकरों को लेकर चर्चा में है। शहर की लगभग हर प्रमुख सड़क पर जरूरत से ज्यादा स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं, जिससे आम नागरिकों, वाहन चालकों और आपातकालीन सेवाओं तक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धनपुरी।

हालात ऐसे हैं कि स्थानीय लोग अब धनपुरी को ₹स्पीड ब्रेकर नगरी₹ कहने लगे हैं।सबसे चिंताजनक स्थिति आजाद चौक से कालरी रोड स्थित जीएम कार्यालय तक की है। करीब तीन किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर एक दर्जन से अधिक स्पीड ब्रेकर बने हुए हैं। यही हाल बड़ी मस्जिद रोड, कच्ची मोहल्ला मार्ग सहित नगर के अन्य वार्डों की सड़कों का भी है। कुछ मीटर की दूरी पर ही बार-बार स्पीड ब्रेकर आने से वाहन चालकों को हर समय ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे सफर असुविधाजनक होने के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश स्पीड ब्रेकर बिना किसी तकनीकी मानक और प्रशासनिक अनुमति के बनाए गए प्रतीत होते हैं। कई स्थानों पर इनकी ऊंचाई इतनी अधिक है कि दोपहिया वाहन चालक असंतुलित हो जाते हैं, जबकि चारपहिया वाहनों के सस्पेंशन और अन्य पुर्जों को नुकसान पहुंच रहा है। कई स्पीड ब्रेकरों पर न तो सफेद पेंट किया गया है और न ही कोई चेतावनी संकेत लगाए गए हैं, जिससे रात के समय दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।शहरवासियों का आरोप है कि कई स्थानों पर लोगों ने अपने घरों या प्रतिष्ठानों के सामने मनमाने ढंग से स्पीड ब्रेकर बनवा लिए हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने न तो इनकी जांच की और न ही अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर सार्वजनिक सड़कों पर बिना अनुमति स्पीड ब्रेकर बनाने की छूट किसने दी?विशेषज्ञों का मानना है कि स्पीड ब्रेकर केवल स्कूल, अस्पताल, भीड़भाड़ वाले चौराहों या दुर्घटना संभावित स्थानों पर ही निर्धारित मानकों के अनुसार बनाए जाने चाहिए, लेकिन धनपुरी में यह व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित नजर आती है।स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि पूरे नगर में बने सभी स्पीड ब्रेकरों का तकनीकी सर्वे कराया जाए, अवैध एवं अनावश्यक स्पीड ब्रेकरों को हटाया जाए तथा आवश्यक स्थानों पर भारतीय मानकों के अनुरूप ही नए स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। साथ ही सभी वैध स्पीड ब्रेकरों पर रिफ्लेक्टिव पेंट और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।अब देखना यह होगा कि नगर पालिका प्रशासन जनता की इस लंबे समय से चली आ रही समस्या को गंभीरता से लेकर समाधान करता है या फिर धनपुरी की पहचान ₹स्पीड ब्रेकर नगरी₹ के रूप में और मजबूत होती चली जाएगी।

जैतहरी में हाथी का आतंक, वन विभाग की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जैतहरी क्षेत्र में शनिवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली हाथी गांव में घुसकर एक मकान के बगल की दीवार तोड़ने लगा और परछी में खुले में रखे धान को खाने लगा। उस समय घर के भीतर पूरा परिवार मौजूद था और हाथी के कारण बाहर निकलना असंभव हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही पहले से क्षेत्र में निगरानी कर रही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। रेंजर विवेक मिश्रा के नेतृत्व में बीट गार्ड कुंदन शर्मा तथा हाथी मित्र दल के सदस्य विकास सिंह राठौर, चरण सिंह सूर्यवंशी, राजीव पटेल, लेमन बैगा और जगत सिंह मसराम ने सूझबूझ और सतर्कता का परिचय देते हुए घर में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सुरक्षित बाहर निकाले गए परिवार ने वन विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया। रेंजर विवेक मिश्रा ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि हाथी दिखाई देने पर किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मोहर्रम में छोटानी मोहल्ला के युवाओं ने पेश की इंसानियत की मिसाल, हजारों अकीदतमंदों की सेवा में बांटी कोल्ड ड्रिंक व आइसक्रीम

धनपुरी।

मोहर्रम के मौके पर जहां एक ओर इमाम हुसैन की शहादत की याद में मातमी जुलूस पूरे अकीदत और अनुशासन के साथ निकाला गया, वहीं वार्ड क्रमांक 22 स्थित छोटानी मोहल्ला के युवाओं ने सेवा और इंसानियत की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों की सुविधा के लिए स्थानीय नवयुवकों ने कोल्ड ड्रिंक एवं आइसक्रीम वितरण शिविर लगाया। भीषण गर्मी के बीच हजारों लोगों ने शिविर का लाभ उठाया और युवाओं के इस सेवा भाव की मुक्तकंठ से सराहना की।जुलूस के दौरान शिविर में युवाओं ने पूरी व्यवस्था संभालते हुए आने वाले प्रत्येक अकीदतमंद का सम्मानपूर्वक स्वागत किया। घंटों तक लगातार कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम वितरित की गई। युवाओं का कहना था कि मोहर्रम केवल मातम का पर्व नहीं, बल्कि इंसानियत, त्याग और सेवा का संदेश देने का अवसर भी है। इसी भावना के साथ सभी ने मिलकर यह सेवा कार्य किया।इस सेवा अभियान को सफल बनाने में मुबारक मास्टर, हाजी इजहार, अहमद शेख, अजीज मोहम्मद, मोहम्मद शफीक, आविल खान, सलमान खान, अजीजुर रहमान, शहीद सहित मोहल्ले के अनेक युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा। सभी ने बिना किसी भेदभाव के जुलूस में शामिल लोगों की सेवा कर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का परिचय दिया।स्थानीय नागरिकों ने कहा कि छोटानी मोहल्ला के युवाओं की यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है। धार्मिक आयोजनों में इस तरह के सेवा कार्य आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। लोगों ने युवाओं के समर्पण और सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ी के लिए भी अनुकरणीय हैं। मोहर्रम के अवसर पर यह सेवा शिविर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

"सेफ क्लिक 2.0" अभियान: केशवाही पुलिस ने महिलाओं और ग्रामीणों को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर

चौकी प्रभारी गंगा सिंह ग्रामीण को पुलिस ने किया जागरूक

बुढार।

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में बुढार थाना अंतर्गत केशवाही पुलिस चौकी द्वारा बस स्टैंड एवं सकरा ग्राम के नुक्कड़ चौराहों पर साइबर "सेफ क्लिक 2.0" अभियान के तहत वृहद जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्व-सहायता समूहों और आंगनवाड़ी केंद्रों में महिला एवं बाल सुरक्षा विषय पर लोगों को जागरूक किया गया।

साइबर खतरों से बचाव की दी गई विस्तृत जानकारी

पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशानुसार, नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के मार्गदर्शन एवं चौकी प्रभारी गंगा सिंह मार्को के नेतृत्व में इन कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। पुलिस अधिकारियों ने आज के डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित संवेदनशील विषयों पर चर्चा की गई:

साइबर बुलिंग और ऑनलाइन मॉर्फिंगः सोशल मीडिया पर होने वाली प्रताड़ना और तस्वीरों से छेड़छाड़ (मॉर्फिंग) की पहचान और उससे निपटने के कानूनी उपायों की जानकारी दी गई।

सोशल मीडिया सुरक्षाः अपनी पर्सनल प्रोफाइल को सुरक्षित रखने, प्राइवेसी सेटिंग्स का सही उपयोग करने और अनजान लोगों से दूरी बनाए रखने के टिप्स साझा किए गए।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षाः बच्चों को ऑनलाइन शोषण से बचाने के तरीके और इंटरनेट का उपयोग करते समय माता-पिता द्वारा रखी जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया गया।

ऑनलाइन गेमिंग के जोखिमः गेमिंग ऐप के जरिए होने वाली धोखाधड़ी, इसकी लत और वित्तीय जोखिमों के प्रति ग्रामीणों को आगाह किया गया।

संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत करें शिकायत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं, युवतियों और स्कूली व कॉलेज के बच्चों से अपील की कि वे किसी भी तरह के डिजिटल प्रलोभन या दबाव में न आएं।

"इंटरनेट का उपयोग करते समय पूरी सतर्कता बरतें। यदि आपके साथ कोई भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि या साइबर धोखाधड़ी होती है, तो बिना डरे और बिना समय गंवाए तत्काल स्थानीय पुलिस और साइबर हेल्पलाइन नंबर पर इसकी सूचना दें।"

ग्रामीणों और छात्राओं ने की पहल की सराहना

इस जागरूकता कार्यक्रम की स्थानीय महिलाओं और कॉलेज की छात्राओं ने जमकर सराहना की। उपस्थित महिलाओं ने माना कि इस डिजिटल युग में "सेफ क्लिक 2.0" अभियान उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित रखने में बेहद मददगार साबित होगा।

संसदीय क्षेत्र की उपेक्षा: रेल सुविधाओं के लिए अब एक बड़े आंदोलन की जरूरत

बुढार।

वार्ता, निवेदन, ज्ञापन और सांसद के निरंतर प्रयासों के बाद भी जब रेल मंत्रालय सोता रहे, तो जनता के पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता। पिछले 3 वर्षों से संचालित नागपुर-शहडोल-नागपुर ट्रेन (11201/11202) का विस्तार अनूपपुर जंक्शन, बिजुरी या अंबिकापुर स्टेशन तक करने की मांग लगातार की जा रही है, लेकिन रेल मंत्री इस पर मौन साधे हुए हैं। ऐसे में अब शहडोल संसदीय क्षेत्र के रेल यात्रियों और आम नागरिकों के पास केवल और केवल 'आंदोलन' का ही एकमात्र सहारा रह गया है।

DRM कार्यालय में लगा ज्ञापनों का अंबार, पर नतीजा शून्य- रेल रोको आंदोलन समिति के रोहिणी प्रसाद गर्ग ने कहा कि आए दिन विभिन्न स्टेशनों से समाचार पत्रों में इस ट्रेन के विस्तार की खबरें प्रमुखता से छपती रही हैं। बिलासपुर रेल मंडल (DRM) कार्यालय में विभिन्न सामाजिक और नागरिक संगठनों द्वारा भेजे गए मांग पत्रों का अंबार लग चुका है, लेकिन आज तक यह ट्रेन सिर्फ शहडोल तक ही सीमित होकर रह गई है। कनेक्टिविटी का अभावः इस ट्रेन से संसदीय क्षेत्र के मात्र 30 फीसदी लोग ही लाभान्वित हो पा रहे हैं। शेष 70 फीसदी यात्रियों को विभिन्न साधनों से भटकते हुए सुबह 5 बजे शहडोल पहुंचना पड़ता है, ताकि वे नागपुर की ट्रेन पकड़ सकें। रेल मंडल ने इसके लिए कोई कनेक्टिविटी ट्रेन भी नहीं चलाई है। वार्ता के दौरान DRM ने इस व्यावहारिक समस्या को स्वीकार तो किया, लेकिन क्रियान्वयन के नाम पर ढाक के तीन पात ही रहे।

पश्चिम मध्य रेल और अन्य मांगों पर भी नहीं मिला जवाब- यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल मंडल की है, इसलिए वहां भी लिखित पत्राचार किया गया, लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं आया। इसके अलावा क्षेत्रवासियों की अन्य प्रमुख मांगों को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गयाः भोपाल-बिलासपुर (18235/18236): जनहित में इस ट्रेन को इतवारी (नागपुर) तक बढ़ाने की मांग खारिज कर दी गई।ओवरनाइट ट्रेन की मांगः नागपुर-शहडोल-नागपुर को शहडोल से 'ओवरनाइट' (रात में) चलाने के निवेदन को भी साफ नकार दिया गया।क्षेत्रीय नागरिकों का दर्द है कि आखिर हमारे अजजा (ST) बाहुल्य संसदीय क्षेत्र शहडोल को किस अपराध की सजा दी जा रही है, जो रेल प्रशासन कोई बात सुनने को तैयार नहीं है।

यात्री हित हाशिए पर, कोयला ढुलाई को प्राथमिकता- क्षेत्र में यह बात साफ नजर आ रही है कि रेलवे के लिए यात्री सुविधाएं कोई मायने नहीं रखतीं। कोयला ढुलाई के आगे यात्री ट्रेनों को इस रेलखंड में पूरी तरह महत्वहीन कर दिया गया है। हालात ये हैं कि हर 5 मिनट में एक मालगाड़ी (सिंगल या डबल रेक) को निकालने के लिए यात्री ट्रेनों को घंटों रोक दिया जाता है।

जागरूक नागरिकों और पदाधिकारियों का मौन- इस पूरे मामले में शहडोल और उमरिया के जागरूक नागरिकों व पदाधिकारियों का मौन भी कचोटने वाला है। चूंकि ट्रेन उनके अपने क्षेत्र से चल रही है, इसलिए शायद उन्हें बाकी क्षेत्र के यात्रियों की परेशानी से कोई सरोकार नहीं रह गया है।

रणनीतिः क्रमिक आंदोलन से उग्र प्रदर्शन की तैयारी- इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रभावित स्टेशनों के यात्रियों और नागरिक संगठनों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। रणनीति के तहतः प्रथम चरणः पहले चरण में यात्री हित में 'क्रमिक आंदोलन' का सहारा लेकर रेल मंडल और रेल मंत्रालय का ध्यान आकर्षित कराया जाएगा।द्वितीय चरणः यदि क्रमिक आंदोलन से भी कोई सफलता नहीं मिलती है, तो सर्वसम्मति से 'उग्र आंदोलन' की रूपरेखा तैयार की जाएगी और रेल विभाग को समय सीमा का नोटिस देकर चक्का जाम व उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जुटी - युवा टीम ने ऐतिहासिक सगरा तालाब में किया श्रमदान जल संरक्षण का दिया संदेश

उमरिया

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला कलेक्टर राखी सहाय व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार युवा टीम उमरिया की टोली के द्वारा बिरसिंहपुर पाली का ऐतिहासिक सगरा तालाब में जल को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से श्रमदान आयोजित कर सगरा तालाब से पॉलीथिन, प्लास्टिक, कांच एवं प्लास्टिक बॉटल्स, मलवा व आदि बाहर कर तालाब को स्वच्छ व सुंदर बनाने का प्रयास किया गया। जल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के तालाब से बाहर निकालकर साफ करने के लिए लोगो से आवाहन किया । तालाब के किनारे अत्यधिक मात्रा में पड़ी हुई पॉलीथीन व प्लास्टिक को हटाया गया।। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि तालाब के तीनों घाटों में आमजन के द्वारा फूल मालाओं व पूजन सामग्री का विसर्जन किया जाता है। लेकिन जिन पॉलीथीन के बैग में रखकर ये सामग्री लाई जाती है। उन बेग को भी वही किनारे फेंक दिया जाता है। इन घाटों को पॉलीथीन व प्लास्टिक मुक्त व जल का संरक्षण करने का प्रयास किया गया। साथ ही आमजन को प्लास्टिक व पॉलीथीन उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया।उन्होंने ने बताया कि हमारे द्वारा अनावश्यक सामग्री को तालाब या पानी के स्त्रोत में फेंकने से जल तो प्रदूषित होता ही है। साथ ही पानी मे रहने वाले जीव जंतुओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। एवं वे इस प्रदूषण से मर भी जाते है। पूरा इकोसिस्टम खराब हो जाता है।इस अभियान में मुख्य रूप से आने वाले पीढ़ी युवा, बच्चों को साथ में रखा गया। साथ ही नगर के प्रतिष्ठित नागरिक, महिलाएं, युवाओं ने भी पूरी निष्ठापूर्वक श्रमदान कर जल स्त्रोतों का संरक्षण का संकल्प लिया। ये रहे मौजूद इस अभियान में पर्यावरण राहुल सिंह, अभिनव द्विवेदी, नेहा सिंह,दीप्ति सिंह,रूद्र प्रधान,शुभम पटेल, अतिव्य रजक,श्रद्धा सिंह,भक्ति सिंह,दिशा पाठक,युवराज सिंह,श्रीराम तिवारी व सभी युवा साथियों का योगदान रहा।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज ने मनाया महेश नवमीं का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माहेश्वरी समाज ने अपने वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया। संभाग स्तरीय कार्यक्रम 28 जून को होटल लेवल वन आहूजा मार्केट शहडोल में मनाया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पुरुषों, महिलाओ एवं बच्चों ने सर्वप्रथम भगवान शिवजी की पूजा, अर्चना दीप प्रज्वलन कर की। तत्पश्चात सभी ने शिवजी की आरती कर्पूरगौरं करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानि सहितं नमामि एवं ओम जय जगदीश हरे की। तत्पश्चात महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी सुनता है सबकी विनती मेरा भोलेनाथ की शानदार प्रस्तुति दी। माहेश्वरी महिला मंडल से वनिता लखोटिया, एमएल मंत्री, कमल कुमार मूंदड़ा, आलोक खटोड़, अरविंद बियानी ने समाज को लेकर अपनी बात रखी एवं कहा कि माहेश्वरी समाज का स्लोगन सेवा, त्याग, सदाचार की भावना लेकर सभी आगे बढ़े। साथ ही सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने महेश नवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मध्य में ही जायकेदार नाश्ता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पश्चात छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिमांश मूंदड़ा, प्रिंसा भंडारी, जानवी मूंदड़ा ने राजस्थानी परिधान में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में आदेश खटोड़, डॉक्टर मंजूला मूंदड़ा, दीपा पचीसिया, सुनीता मूंदड़ा, रितु मूंदड़ा ने भी अपनी बातों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने माहेश्वरी हैं हम पर जोरदार डांस किया जिसकी सभी ने सराहना की।दीपा पचीसिया एवं सुरभि लखोटिया ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने अपने प्रतिभाओं का सम्मान भी किया। जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हिमांश मूंदड़ा, कनिका खटोड़, सेतु बियानी एवं अंश मूंदड़ा प्रमुख रहे। इसके साथ ही मानसी मूंदड़ा को गोल्ड मेडल मिलने पर उसका भी सम्मान किया गया। युवा माहेश्वरी संगठन ने गेम खिलाया जिसका सभी ने लुत्फ उठाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के शहडोल, बुढार, अमलाई, चचाई, धनपुरी, अनूपपुर, जैतहरी के महेश्वरी समाज के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे काफी संख्या में उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष आदेश खटोड़ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आवाज़ उठी तो हिटलरशाही फरमान जारी

आईजीएनटीयू में धरने से पहले लोकतंत्र पर हमला

आदेशों से भड़का आदिवासी आक्रोश, बच्चों की शिक्षा को लेकर उठे सवाल

अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू) एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। मॉडल ट्राइबल स्कूल को 9वीं से 12वीं तक अपग्रेड करने की मांग को लेकर अभिभावकों ने 29 जून से अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान किया तो उसके पहले ही विश्वविद्यालय प्रशासन और जिला प्रशासन के प्रतिबंधात्मक आदेश सामने आ गए है। अभिभावक संघ का आरोप है कि बच्चों की शिक्षा का समाधान खोजने के बजाय लोकतांत्रिक आवाज़ को आदेशों के सहारे कुचलने की कोशिश की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हरिभूमि

आदिवासी विरोधी मानसिकता का आरोप

अमरकंटक आईजीएनटीयू रजिस्ट्रार के खिलाफ अभिभावकों का मोर्च

जनजातीय बच्चों के बेहतर भविष्य की मांग अब विश्वविद्यालय प्रशासन और अभिभावकों के बीच सीधी टकराव की वजह बन गई है। मॉडल ट्राइबल स्कूल को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक उन्नत करने की मांग सालों से उठ रही है। सांसदों से लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गुहार लगाई गई, लेकिन समाधान की जगह अब प्रतिबंधों की राजनीति शुरू हो गई है। अभिभावक संघ का आरोप है कि जैसे ही 29 जून से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा हुई है, विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन पर रोक का आदेश जारी कर दिया है। इसके तुरंत बाद एसडीएम पुष्पराजगढ़ ने भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत 100 मीटर की परिधि में धरना, प्रदर्शन, नारेबाजी और लाउडस्पीकर पर रोक लगा दी है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों के भविष्य पर संवाद करने के बजाय विरोध की आवाज़ पर प्रशासनिक शिकंजा कस दिया गया है लेकिन अभिभावक संघ ने जारी आदेश को हिटलरशाही फरमान बताया है साथ ही बताया कि आंदोलन तय है हम अपने बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे, तय तिथि पर आंदोलन हो कर रहेगा।

धरने की घोषणा से प्रतिबंध का फरमान

अभिभावक संघ का दावा है कि 29 जून से प्रस्तावित आंदोलन की सूचना प्रशासन को देने के कुछ ही समय बाद विश्वविद्यालय ने मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन प्रतिबंधित करने का आदेश जारी कर दिया गया। इसके बाद एसडीएम का प्रतिबंधात्मक आदेश भी सामने आ गया। संघ का आरोप है कि मांगों पर चर्चा करने के बजाय आंदोलन को रोकने की तैयारी पहले कर ली गई, जिससे प्रशासन की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिक्षा की मांग या व्यवस्था की बेचैनी?

अभिभावकों का कहना है कि उनकी लड़ाई किसी राजनीतिक मुद्दे की नहीं, बल्कि आदिवासी बच्चों की शिक्षा की है। स्कूल में भवन, छात्रावास और अन्य सुविधाएं मौजूद होने के बावजूद कक्षा 9वीं से 12वीं तक संचालन शुरू नहीं किया जा रहा है। उनका आरोप है कि यदि मांग उचित नहीं थी तो संवाद होना चाहिए था, लेकिन प्रतिबंधात्मक आदेशों ने पूरे विवाद को और अधिक भड़का दिया है।

लोकतांत्रिक अधिकार बनाम प्रशासनिक आदेश

विश्वविद्यालय और प्रशासन का तर्क है कि आदेशों का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियां, आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। दूसरी ओर अभिभावक संघ का आरोप है कि शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को सीमित किया जा रहा है। इसी विरोधाभास ने पूरे घटनाक्रम को शिक्षा के मुद्दे से आगे बढ़ाकर लोकतांत्रिक अधिकारों पर बहस का विषय बना दिया है।

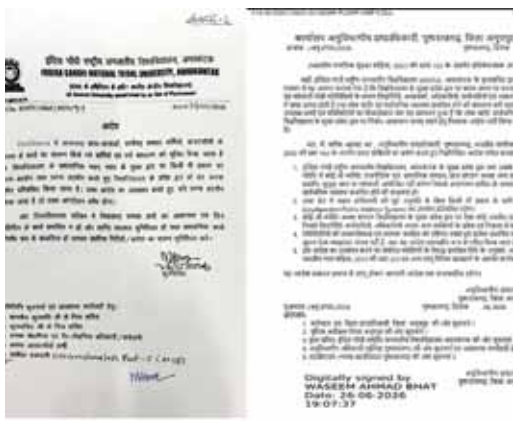

आदिवासी बच्चों के भविष्य पर सियासत या संवेदनशीलता?

संघ का कहना है कि जिन बच्चों के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, आज वही बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। सांसदों और जनप्रतिनिधियों के समर्थन के बावजूद निर्णय लंबित है। अभिभावकों का आरोप है कि यदि प्रशासन समय रहते सकारात्मक पहल करता, तो आंदोलन और टकराव जैसी स्थिति ही पैदा नहीं होती। आज होगा टकराव या समाधान? अब पूरे क्षेत्र की निगाहें आज सोमवार यानी 29 जून पर टिकी हैं। यदि बातचीत से समाधान नहीं निकला तो अभिभावक संघ आंदोलन पर अडिग रहने की बात कह रहा है। वहीं प्रशासन के प्रतिबंधात्मक आदेश पहले ही लागू हो चुके हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या संवाद का रास्ता खुलेगा या शिक्षा के अधिकार की लड़ाई प्रशासनिक आदेशों और कानूनी टकराव के बीच और उलझ जाएगी।

ग्राम बेनीबहरा में आदिवासी महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

श्री सत्य साईं आदिवासी महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम बेनीबहरा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई तथा आवश्यक परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान गंभीर बीमारियों से पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर उपचार के लिए श्री सत्य साईं सेवा संस्थान द्वारा अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस स्वास्थ्य शिविर में अपना विशेष रूप से डॉ योगेश धनवार, डॉ गणेश प्रजापति, डॉ शीतल प्रजापति, राममिलन जायसवाल, श्याम ताम्रकार, बृजेश प्रजापति, आरके द्विवेदी, नर्मदा सिंह, प्रदीप पांडे, का योगदान रहा। इस कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका, पार्षद अन्नू देवी, लक्ष्मी शुक्ला, कलावती सिंह, नमिता कोल के उपस्थित में और शिविर को सफल बनाने में साईं सेवा समिति के जिला अध्यक्ष जी.एस तिवारी, रविन्द्र शुक्ला, विनय शुक्ला, अभिलाषा शुक्ला, संजय सिंह परमार, लखनलाल पनिका, विनोद कुमार कुशवाहा, तारा देवी साहू, रूपा पाव, भगवान दास द्विवेदी, देवेंद्र द्विवेदी, संतोष साहू, बिसाहू साहू, रूपा रावत, ओमप्रकाश सिंह परिहार, तुलसी पनिका, छांगू प्रसाद साहू, तारादास साहू सहित कई सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ग्रामीण महिलाओं ने इस स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

प्रिंट रेट से महंगी शराब अनूपपुर की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-2 पर ओवर रेटिंग धड़ल्ले से जारी

वाह आबकारी विभाग वाह....

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर नगर की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 एक बार फिर विवादों में है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि दुकान में शराब की बोतलें प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही हैं। वहीं दुकान पर मूल्य सूची प्रदर्शित न होने, शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होने तथा बिना नंबर की स्कूटी के उपयोग जैसे मामलों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सख्त कार्यवाही की मांग की है। जिला मुख्यालय की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 में कथित अनियमितताओं को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि शराब की बोतलों पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक राशि वसूली जा रही है। इतना ही नहीं, आबकारी विभाग के निर्देशों के बावजूद दुकान परिसर में मूल्य सूची तक प्रदर्शित नहीं की गई है, जिससे ग्राहकों को वास्तविक कीमत की जानकारी नहीं मिल पाती है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अधिक कीमत वसूले जाने पर विरोध करने के बावजूद उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। वहीं दुकान के कार्यों में दिनभर बिना नंबर की लाल रंग की स्कूटी का उपयोग भी कई सवाल खड़े कर रहा है। यदि ये आरोप सही हैं तो यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि आबकारी नियमों और मोटर वाहन कानून की भी अनदेखी है। अब लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

प्रिंट रेट से अधिक वसूली का आरोप

स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि दुकान में कई ब्रांड की शराब निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही है। ग्राहकों का कहना है कि अतिरिक्त राशि मांगने पर कोई रसीद या स्पष्ट कारण नहीं बताया जाता। इससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जा रही है तो यह नियमों का खुला उल्लंघन है और इसकी जांच आवश्यक है।

मूल्य सूची गायब, पारदर्शिता पर सवाल

आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार प्रत्येक शराब दुकान में मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर लगाना अनिवार्य है। आरोप है कि कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 में ऐसी कोई सूची प्रदर्शित नहीं की गई है। मूल्य सूची के अभाव में ग्राहकों को सही कीमत की जानकारी नहीं मिलती और वे अधिक राशि देने को मजबूर हो जाते हैं। इससे दुकान की कार्यप्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होने का आरोप

उपभोक्ताओं का कहना है कि कई बार अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत दुकान संचालकों से की गई, लेकिन किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है, फिर भी संबंधित विभाग की ओर से कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। इससे उपभोक्ताओं का भरोसा कमजोर हो रहा है और विभागीय निगरानी पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

बिना नंबर की स्कूटी से बढ़े सवाल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान के कार्यों में लाल रंग की बिना पंजीयन नंबर वाली स्कूटी का नियमित उपयोग किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर बिना नंबर के वाहन का उपयोग मोटर वाहन नियमों के विपरीत माना जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह वाहन किसका है और किस अनुमति से इसका उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी भी जांच कराने की मांग की है।

निष्पक्ष जांच और सख्त कार्यवाही की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि ओवररेटिंग, मूल्य सूची नहीं लगाने और बिना नंबर के वाहन के उपयोग जैसे आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदारों पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। साथ ही दुकान में तत्काल मूल्य सूची प्रदर्शित कर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का आर्थिक शोषण न हो सके।

राहुल प्रियंका सेना मध्यप्रदेश कॉंग्रेस के महामंत्री नियुक्त किए गए श्रीधर शर्मा

मेहनत, लगन और समर्पण को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

वर्षों की निष्ठा, निरंतर सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पित भाव से किए गए कार्यों का प्रतिफल तब मिलता है, जब संगठन स्वयं किसी कार्यकर्ता की क्षमता और सेवा को पहचानकर उसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपता है। अमरकंटक निवासी, पूर्व सचिव मध्य-प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी वा अधिवक्ता श्रीधर शर्मा के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वा मध्य प्रदेश के प्रभारी चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी द्वारा राहुल प्रियंका सेना मध्यप्रदेश का महामंत्री नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद अमरकंटक सहित पूरे क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल है। सोशल मीडिया पर बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है और अनेक लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है। श्रीधर शर्मा लंबे समय से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते आ रहे हैं। अमरकंटक की पावन धरा से उन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी, जनसंपर्क, संगठन विस्तार तथा कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके शांत स्वभाव, सरल व्यक्तित्व और कार्य के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण ने उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच विशेष पहचान दिलाई है। बीते अमरकंटक नगरीय निकाय चुनाव में भी श्रीधर शर्मा ने संगठन को मजबूती प्रदान करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। सीमित सीटों की चुनौती के बावजूद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर चुनावी रणनीति को प्रभावी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। समर्थकों का मानना है कि परिषद में कांग्रेस की स्थिति मजबूत करने में उनके अथक प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। चुनाव के दौरान उन्होंने दिन-रात कार्यकर्ताओं के साथ रहकर संगठन को मजबूती देने का कार्य किया। राजनीतिक सक्रियता के साथ-साथ श्रीधर शर्मा सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में भी निरंतर सेवाएं देते रहे हैं। वे मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश सचिव के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे धर्म क्षेत्र में ज्योतिष्पीठ के परम धर्म संसद से जुड़े रहकर धर्म और समाज के विभिन्न विषयों पर भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। धार्मिक आस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ उन्होंने सदैव सेवा को अपना उद्देश्य बनाया है, जिसके कारण समाज के विभिन्न वर्गों में उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। कांग्रेस संगठन के प्रति उनकी वर्षों की निष्ठा, अनुशासन और सेवा भाव को देखते हुए संगठन ने उन पर विश्वास व्यक्त करते हुए राहुल प्रियंका सेना मध्यप्रदेश कॉंग्रेस के (महामंत्री) पद का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह नियुक्ति केवल एक पद नहीं, बल्कि लंबे समय से किए जा रहे समर्पित कार्यों की संगठनात्मक स्वीकृति भी है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही अमरकंटक, अनूपपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की, वहीं अनेक सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों ने श्रीधर शर्मा को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सोशल मीडिया पर भी बधाई संदेशों की भरमार रही, जिसमें लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीधर शर्मा ने कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उन सभी कार्यकर्ताओं का है, जिन्होंने वर्षों तक संगठन के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य किया। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों के आशीर्वाद, माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कारों, माँ नर्मदा की कृपा तथा अपने सहयोगियों के विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का एक सशक्त मार्ग है। आने वाले समय में वे युवाओं को संगठन से जोड़ने, कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने तथा समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

केवई नदी में डूबने से 13 वर्षीय बालक की मौत, दोस्तों के गया था साथ पिकनिक मनाने

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा। भालूमाड़ा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। केवई नदी के पंप हाउस के पास नहाने के दौरान 13 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवम गुप्ता (13 वर्ष) पिता सोभनाथ गुप्ता, निवासी दफाई भालूमाड़ा, अपने 5-6 दोस्तों के साथ केवई नदी के पंप हाउस के पास पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान शिवम नदी में नहाने के लिए उतरा, लेकिन गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर भालूमाड़ा थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शिवम के शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में नहाते समय विशेष सावधानी बरतें तथा बच्चों को बिना निगरानी के पानी के पास न जाने दें।